Shri Lakshmi Sahasranamavali

श्रीलक्ष्मी सहस्रनामावलि

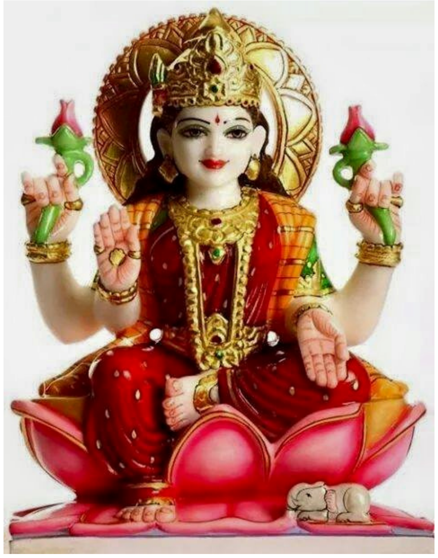

Gurudev Raj verma

Contact- +91-9897507933**. WhatsApp No-** +91-7500292413

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

www.gurudevrajverma.com

Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

व्यापार में लाभ हेतु, नौकरी में पदवृद्धि हेतु एवं सौभाग्यागमन हेतु भगवती लक्ष्मी के इन दिव्य नामों का नित्य चिंतन करना चाहिये। इन नामों का वाचिक पाठ के अतिरिक्त उत्तम सामग्रियों से अर्चन, हवन एवं तर्पण भी किया जा सकता है, परिस्थिति एवं शक्ति के अनुसार। इनके साथ विष्णु सूक्त अथवा पुरुष सूक्त का पाठ भी नित्य करें। अधिक लाभ हेतु शुक्रवार एवं पूर्णिमा को लक्ष्मी वासुदेव का विशेष पूजनार्चन करते हुए मन्दिर में खीर आदि का भोग लगाना चाहिये। अगर श्रद्धा और शक्ति हो तो एक वर्ष तक प्रत्येक पूर्णिमा तिथि में इन पवित्र नामों से उत्तम सामग्रियों से होम करवा सकते हैं। इन सभी के प्रभाव से मनुष्य त्वरित लाभ करता है। किसी प्रकार की दैवीय हानि से बचने हेतु एवं शीघ्र लाभ हेतु सुयोग्य आचार्य का मार्गदर्शन प्राप्त कर लेना सबसे अच्छा होता है।

श्रीध्यानम् :- भूयाद्भूयो द्विपद्माभयवरदकरा तप्तकार्तस्वराभा शुभ्राभ्राभेभयुग्मद्वयकरधृत कुम्भादि्भरासिच्यमाना। रक्तौघाबद्ध मौलिर्विमलतरदुकूलार्तवालेपनाढ्या पद्माक्षी पद्मनाभोरसि कृतवसतिः पद्मगा श्रीः श्रियै नः।।

सहस्त्रनामावलि (लक्ष्मी बीजाक्षरयुक्त) :- ॐ श्रीं श्रियै नमः। ॐ श्रीं पद्मायै नमः। ॐ श्रीं प्रकृत्यै नमः। ॐ श्रीं सत्त्वायै नमः। ॐ श्रीं शान्तायै नमः। ॐ श्रीं चिच्छक्त्यै नमः। ॐ श्रीं अव्ययायै नमः। ॐ श्रीं केवलायै नमः। ॐ श्रीं निष्कलायै नमः। ॐ श्रीं शुद्धायै नमः।10।

ॐ श्रीं व्यापिन्यै नमः। ॐ श्रीं व्योमविग्रहायै नमः। ॐ श्रीं व्योमपद्मकृताधारायै नमः। ॐ श्रीं परस्यै नमः। ॐ श्रीं व्योमामृतोद्भवायै नमः। ॐ श्रीं निर्व्योमायै नमः। ॐ श्रीं व्योममध्यस्थायै नमः। ॐ श्रीं पंचव्योमपदाश्रितायै नमः। ॐ श्रीं अच्युतायै नमः। ॐ श्रीं व्योमनिलयायै नमः।20।

ॐ श्रीं परमानन्दरूपिण्यै नमः। ॐ श्रीं नित्यशुद्धायै नमः। ॐ श्रीं नित्यतृप्तायै नमः। ॐ श्रीं निर्विकारायै नमः। ॐ श्रीं निरीक्षणायै नमः। ॐ श्रीं ज्ञानशक्त्यै नमः। ॐ श्रीं कर्तृशक्त्यै नमः। ॐ श्रीं भोक्तृशक्त्यै नमः। ॐ श्रीं शिखावहायै नमः। ॐ श्रीं स्नेहाभासायै नमः।30।

ॐ श्रीं निरानन्दायै नमः। ॐ श्रीं विभूत्यै नमः। ॐ श्रीं विमलायै नमः। ॐ श्रीं चलायै नमः। ॐ श्रीं अनन्तायै नमः। ॐ श्रीं वैष्णव्यै नमः। ॐ श्रीं व्यक्तायै नमः। ॐ श्रीं

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

विश्वानन्दायै नमः। ॐ श्रीं विकाशिन्यै नमः। ॐ श्रीं शक्त्यै नमः।40।

ॐ श्रीं विभिन्नसर्वार्त्यै नमः। ॐ श्रीं समुद्रपरितोषिण्यै नमः। ॐ श्रीं मूर्त्यै नमः। ॐ श्रीं सनातन्यै नमः। ॐ श्रीं हार्द्यै नमः। ॐ श्रीं निस्तरंगायै नमः। ॐ श्रीं निरामयायै नमः। ॐ श्रीं ज्ञानज्ञेयायै नमः। ॐ श्रीं ज्ञानगम्यायै नमः। ॐ श्रीं ज्ञानज्ञेयविकाशिन्यै नमः।50।

ॐ श्रीं स्वछन्दशक्त्यै नमः। ॐ श्रीं गहनायै नमः। ॐ श्रीं निष्कम्पार्चिषे नमः। ॐ श्रीं सुनिर्मलायै नमः। ॐ श्रीं स्वरूपायै नमः। ॐ श्रीं सर्वगायै नमः। ॐ श्रीं पारायै नमः। ॐ श्रीं बृंहिण्यै नमः। ॐ श्रीं सुगुणोर्जितायै नमः। ॐ श्रीं अकलंकायै नमः।60।

ॐ श्रीं निराधारायै नमः। ॐ श्रीं निःसंकल्पायै नमः। ॐ श्रीं निराश्रयायै नमः। ॐ श्रीं अंसकीर्णायै नमः। ॐ श्रीं सुशान्तायै नमः। ॐ श्रीं शाश्वत्यै नमः। ॐ श्रीं भासुर्यै नमः। ॐ श्रीं स्थिरायै नमः। ॐ श्रीं अनौपम्यायै नमः। ॐ श्रीं निर्विकल्पायै नमः।70।

ॐ श्रीं नियंत्रायै नमः। ॐ श्रीं यंत्रवाहिन्यै नमः। ॐ श्रीं अभेद्यायै नमः। ॐ श्रीं भेदिन्यै नमः। ॐ श्रीं भिन्नायै नमः।

ॐ श्रीं भारत्यै नमः। ॐ श्रीं वैखर्यै नमः। ॐ श्रीं खगायै नमः। ॐ श्रीं अग्राह्यायै नमः। ॐ श्रीं ग्राहिकायै नमः।80।

ॐ श्रीं गूढायै नमः। ॐ श्रीं गम्भीरायै नमः। ॐ श्रीं विश्वगोपिन्यै नमः। ॐ श्रीं अनिर्देश्यायै नमः। ॐ श्रीं अप्रतिहतायै नमः। ॐ श्रीं निर्बीजायै नमः। ॐ श्रीं पावन्यै नमः। ॐ श्रीं परस्यै नमः। ॐ श्रीं अप्रतर्क्यायै नमः। ॐ श्रीं परिमितायै नमः।90।

ॐ श्रीं भवभ्रान्तिविनाशिन्यै नमः। ॐ श्रीं एकस्यै नमः। ॐ श्रीं द्विरूपायै नमः। ॐ श्रीं त्रिविधायै नमः। ॐ श्रीं असंख्यातायै नमः। ॐ श्रीं सुरेश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं सुप्रतिष्ठायै नमः। ॐ श्रीं महाधात्र्यै नमः। ॐ श्रीं स्थित्यै नमः। ॐ श्रीं वृद्ध्यै नमः।100।

ॐ श्रीं ध्रुवायै नमः। ॐ श्रीं गत्यै नमः। ॐ श्रीं ईश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं महिम्ने नमः। ॐ श्रीं ऋद्ध्यै नमः। ॐ श्रीं प्रमोदायै नमः। ॐ श्रीं उज्ज्वलोद्यमायै नमः। ॐ श्रीं अक्षयायै नमः। ॐ श्रीं वर्धमानायै नमः। ॐ श्रीं सुप्रकाशायै नमः।110।

ॐ श्रीं विहंगमायै नमः। ॐ श्रीं नीरजायै नमः। ॐ श्रीं जनन्यै नमः। ॐ श्रीं नित्यायै नमः। ॐ श्रीं जयायै नमः। ॐ

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

श्रीं रोचिष्मत्यै नमः। ॐ श्रीं शुभायै नमः। ॐ श्रीं तपोनुदायै नमः। ॐ श्रीं ज्वालायै नमः। ॐ श्रीं सुदीप्त्यै नमः।120।

ॐ श्रीं अंशुमालिन्यै नमः। ॐ श्रीं अप्रमेयायै नमः। ॐ श्रीं ॐ श्रीं त्रिधायै नमः। ॐ श्रीं सूक्ष्मायै नमः। ॐ श्रीं परस्यै नमः। ॐ श्रीं निर्वाणदायिन्यै नमः। ॐ श्रीं अवदातायै नमः। ॐ श्रीं सुशुद्धायै नमः। ॐ श्रीं अमोघाख्यायै नमः। ॐ श्रीं परम्परायै नमः।130।

ॐ श्रीं संधानक्यै नमः। ॐ श्रीं शुद्धविद्यायै नमः। ॐ श्रीं सर्वभूतमहेश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं लक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं तुष्ट्यै नमः। ॐ श्रीं महाधीरायै नमः। ॐ श्रीं आपूरणेन शान्त्यै नमः। ॐ श्रीं अनुग्रहायै नमः। ॐ श्रीं शक्त्यै नमः। ॐ श्रीं आद्यायै नमः।140।

ॐ श्रीं जगज्ज्येष्ठायै नमः। ॐ श्रीं जगद्विधये नमः। ॐ श्रीं सत्यायै नमः। ॐ श्रीं प्रह्वायै नमः। ॐ श्रीं क्रियायै नमः। ॐ श्रीं योग्यायै नमः। ॐ श्रीं अपर्णायै नमः। ॐ श्रीं ह्लादिन्यै नमः। ॐ श्रीं शिवायै नमः। ॐ श्रीं सम्पूर्णायै नमः।150।

ॐ श्रीं ह्लादिन्यै नमः। ॐ श्रीं शुद्धायै नमः। ॐ श्रीं ज्योतिष्मत्यै नमः। ॐ श्रीं अमृतावहायै नमः। ॐ श्रीं रजोवत्यै

नमः। ॐ श्रीं अर्कप्रतिभायै नमः। ॐ श्रीं आकर्षिण्यै नमः। ॐ श्रीं कर्षिण्यै नमः। ॐ श्रीं रसायै नमः। ॐ श्रीं परस्यै नमः।160।

ॐ श्रीं वसुमत्यै नमः। ॐ श्रीं देवायै नमः। ॐ श्रीं कान्त्यै नमः। ॐ श्रीं शान्त्यै नमः। ॐ श्रीं मत्यै नमः। ॐ श्रीं कलायै नमः। ॐ श्रीं कलायै नमः। ॐ श्रीं कलंकरहितायै नमः। ॐ श्रीं विशालोद्दीपन्यै नमः। ॐ श्रीं रत्यै नमः।170।

ॐ श्रीं सम्बोधिन्यै नमः। ॐ श्रीं हारिण्यै नमः। ॐ श्रीं प्रभावायै नमः। ॐ श्रीं भवभूतिदायै नमः। ॐ श्रीं अमृतस्यन्दिन्यै नमः। ॐ श्रीं जीवायै नमः। ॐ श्रीं जनन्यै नमः। ॐ श्रीं खण्डिकायै नमः। ॐ श्रीं स्थिरायै नमः। ॐ श्रीं धूमायै नमः।180।

ॐ श्रीं कलावत्यै नमः। ॐ श्रीं पूर्णायै नमः। ॐ श्रीं भासुरायै नमः। ॐ श्रीं सुमत्यै नमः। ॐ श्रीं रसायै नमः। ॐ श्रीं शुद्धायै नमः। ॐ श्रीं ध्वन्यै नमः। ॐ श्रीं सृत्यै नमः। ॐ श्रीं सृष्ट्यै नमः। ॐ श्रीं विकृत्यै नमः।190।

ॐ श्रीं कृष्ट्यै नमः। ॐ श्रीं प्रापण्यै नमः। ॐ श्रीं प्राणदायै नमः। ॐ श्रीं प्रह्वायै नमः। ॐ श्रीं विश्वस्यै नमः। ॐ श्रीं

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

पाण्डुरवासिन्यै नमः। ॐ श्रीं अवन्यै नमः। ॐ श्रीं वज्रनलिकायै नमः। ॐ श्रीं चित्रायै नमः। ॐ श्रीं ब्रह्माण्डवासिन्यै नमः।200।

ॐ श्रीं अनन्तरूपायै नमः। ॐ श्रीं अनन्तात्मने नमः। ॐ श्रीं अनन्तस्थायै नमः। ॐ श्रीं अनन्तसम्भवायै नमः। ॐ श्रीं महाशक्त्यै नमः। ॐ श्रीं प्राणशक्त्यै नमः। ॐ श्रीं प्राणदात्र्यै नमः। ॐ श्रीं रतिम्भरायै नमः। ॐ श्रीं महासमूहायै नमः। ॐ श्रीं निखिलायै नमः।210।

ॐ श्रीं इच्छाधारायै नमः। ॐ श्रीं सुखावहायै नमः। ॐ श्रीं प्रत्यक्षलक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं निष्कम्पायै नमः। ॐ श्रीं प्ररोहायै नमः। ॐ श्रीं बुद्धिगोचरायै नमः। ॐ श्रीं नानादेहायै नमः। ॐ श्रीं महावर्तायै नमः। ॐ श्रीं बहुदेहविकासिन्यै नमः। ॐ श्रीं सहस्राण्यै नमः।220।

ॐ श्रीं प्रधानायै नमः। ॐ श्रीं न्यायवस्तु प्रकाशिकायै नमः। ॐ श्रीं सर्वाभिलाषपूर्णेच्छायै नमः। ॐ श्रीं सर्वस्यै नमः। ॐ श्रीं सर्वार्थभाषिण्यै नमः। ॐ श्रीं नानास्वरूपचिद्धात्र्यै नमः। ॐ श्रीं शब्दपूर्वायै नमः। ॐ श्रीं पुरातनायै नमः। ॐ श्रीं व्यक्ता व्यक्तायै नमः। ॐ श्रीं जीवकेशायै नमः।230।

ॐ श्रीं सर्वेच्छा परिपूरितायै नमः। ॐ श्रीं संकल्प सिद्धायै नमः। ॐ श्रीं सांख्येयायै नमः। ॐ श्रीं तत्त्वगर्भायै नमः। ॐ श्रीं धरावहायै नमः। ॐ श्रीं भूतरूपायै नमः। ॐ श्रीं चित्स्वरूपायै नमः। ॐ श्रीं त्रिगुणायै नमः। ॐ श्रीं गुणगर्वितायै नमः। ॐ श्रीं प्रजापतीश्वर्यै नमः।240।

ॐ श्रीं रौद्र्यै नमः। ॐ श्रीं सर्वाधारायै नमः। ॐ श्रीं सुखावहायै नमः। ॐ श्रीं कल्याण वाहिकायै नमः। ॐ श्रीं कल्यायै नमः। ॐ श्रीं कलिकल्मष नाशिन्यै नमः। ॐ श्रीं नीरुपोद्भिन्नसंतानायै नमः। ॐ श्रीं सुयंत्रायै नमः। ॐ श्रीं त्रिगुणालयायै नमः। ॐ श्रीं महामायायै नमः।250।

ॐ श्रीं योगमायायै नमः। ॐ श्रीं महायोगेश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं प्रियायै नमः। ॐ श्रीं महास्त्रियै नमः। ॐ श्रीं विमलायै कीर्त्यै नमः। ॐ श्रीं जयायै नमः। ॐ श्रीं लक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं निरंजनायै नमः। ॐ श्रीं प्रकृत्यै नमः। ॐ श्रीं भगवन्मायायै नमः।260।

ॐ श्रीं शक्त्यै नमः। ॐ श्रीं निद्रायै नमः। ॐ श्रीं यशस्कर्यै नमः। ॐ श्रीं चिंतायै नमः। ॐ श्रीं बुद्ध्यै नमः। ॐ श्रीं

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

यशःप्राज्ञायै नमः। ॐ श्रीं शान्त्यै नमः। ॐ श्रीं आप्रीतिवर्द्धिन्यै नमः। ॐ श्रीं प्रद्युम्नमात्रे नमः। ॐ श्रीं साध्व्यै नमः।270।

ॐ श्रीं सुखसौभाग्य सिद्धिदायै नमः। ॐ श्रीं काष्ठायै नमः। ॐ श्रीं निष्ठायै नमः। ॐ श्रीं प्रतिष्ठायै नमः। ॐ श्रीं ज्येष्ठायै नमः। ॐ श्रीं श्रेष्ठायै नमः। ॐ श्रीं जयावहायै नमः। ॐ श्रीं सर्वातिशायिन्यै नमः। ॐ श्रीं प्रीत्यै नमः। ॐ श्रीं विश्वशक्त्यै नमः।280।

ॐ श्रीं महाबलायै नमः। ॐ श्रीं वरिष्ठायै नमः। ॐ श्रीं विजयायै नमः। ॐ श्रीं वीरायै नमः। ॐ श्रीं जयन्त्यै नमः। ॐ श्रीं विजयप्रदायै नमः। ॐ श्रीं हृदगृहायै नमः। ॐ श्रीं गोपिन्यै नमः। ॐ श्रीं गुह्यायै नमः। ॐ श्रीं गणगन्धर्वसेवितायै नमः।290।

ॐ श्रीं योगीश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं योगमायायै नमः। ॐ श्रीं योगिन्यै नमः। ॐ श्रीं योगसिद्धिदायै नमः। ॐ श्रीं महायोगेश्वर वृतायै नमः। ॐ श्रीं योगायै नमः। ॐ श्रीं योगेश्वर प्रियायै नमः। ॐ श्रीं ब्रह्मेन्द्र रुद्रनमितायै नमः। ॐ श्रीं सुरासुर वरप्रदायै नमः। ॐ श्रीं त्रिवर्त्मगायै नमः।300।

ॐ श्रीं त्रिलोकस्थायै नमः। ॐ श्रीं त्रिविक्रमपदोद्भवायै नमः। ॐ श्रीं सुतारायै नमः। ॐ श्रीं तारिण्यै नमः। ॐ श्रीं तारायै

नमः। ॐ श्रीं दुर्गायै नमः। ॐ श्रीं संतारिण्यै नमः। ॐ श्रीं परस्यै नमः। ॐ श्रीं सुतारिण्यै नमः। ॐ श्रीं तारयन्त्यै नमः।310।

ॐ श्रीं भूरितारेश्वरप्रभायै नमः। ॐ श्रीं गुह्यविद्यायै नमः। ॐ श्रीं यज्ञविद्यायै नमः। ॐ श्रीं महाविद्यायै नमः। ॐ श्रीं सुशोभितायै नमः। ॐ श्रीं अध्यात्मविद्याविघ्नेश्यै नमः। ॐ श्रीं पद्मस्थायै नमः। ॐ श्रीं परमेष्ठिन्यै नमः। ॐ श्रीं आन्वीक्षिक्यै नमः। ॐ श्रीं त्रयीवार्तायै नमः।320।

ॐ श्रीं दण्डनीत्यै नमः। ॐ श्रीं नयात्मिकायै नमः। ॐ श्रीं गौर्यै नमः। ॐ श्रीं वागीश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं गोप्त्र्यै नमः। ॐ श्रीं गायत्र्यै नमः। ॐ श्रीं कमलोद्भवायै नमः। ॐ श्रीं विश्वम्भरायै नमः। ॐ श्रीं विश्वरूपायै नमः। ॐ श्रीं विश्वमात्रे नमः।330।

ॐ श्रीं वसुप्रदायै नमः। ॐ श्रीं सिद्ध्यै नमः। ॐ श्रीं स्वाहायै नमः। ॐ श्रीं स्वधायै नमः। ॐ श्रीं स्वस्त्यै नमः। ॐ श्रीं सुधायै नमः। ॐ श्रीं सर्वार्थसाधिन्यै नमः। ॐ श्रीं इच्छायै नमः। ॐ श्रीं सृष्ट्यै नमः। ॐ श्रीं द्युत्यै नमः।340।

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

ॐ श्रीं मूर्त्यै नमः। ॐ श्रीं कीर्त्यै नमः। ॐ श्रीं श्रद्धायै नमः। ॐ श्रीं दयामत्यै नमः। ॐ श्रीं श्रुत्यै नमः। ॐ श्रीं मेधायै नमः। ॐ श्रीं धृत्यै नमः। ॐ श्रीं ह्रियै नमः। ॐ श्रीं श्रियै नमः। ॐ श्रीं विद्यायै नमः।350।

ॐ श्रीं विबुधवन्दितायै नमः। ॐ श्रीं अनसूयायै नमः। ॐ श्रीं घृणायै नमः। ॐ श्रीं नीत्यै नमः। ॐ श्रीं निर्वृत्यै नमः। ॐ श्रीं कामधुक्करायै नमः। ॐ श्रीं प्रतिज्ञायै नमः। ॐ श्रीं संतत्यै नमः। ॐ श्रीं भूत्यै नमः। ॐ श्रीं दिवे नमः।360।

ॐ श्रीं प्रज्ञायै नमः। ॐ श्रीं विश्वमानिन्यै नमः। ॐ श्रीं स्मृत्यै नमः। ॐ श्रीं वाग्विश्वजनन्यै नमः। ॐ श्रीं पश्यन्त्यै नमः। ॐ श्रीं मध्यमायै नमः। ॐ श्रीं समायै नमः। ॐ श्रीं संध्यायै नमः। ॐ श्रीं मेधायै नमः। ॐ श्रीं प्रभायै नमः।370।

ॐ श्रीं भीमायै नमः। ॐ श्रीं सर्वाकारायै नमः। ॐ श्रीं सरस्वत्यै नमः। ॐ श्रीं काङ्क्षायै नमः। ॐ श्रीं मायायै नमः। ॐ श्रीं महामायायै नमः। ॐ श्रीं मोहिन्यै नमः। ॐ श्रीं माधवप्रियायै नमः। ॐ श्रीं सौम्यायै नमः। ॐ श्रीं भोगायै नमः।380।

ॐ श्रीं महाभोगायै नमः। ॐ श्रीं भोगिन्यै नमः। ॐ श्रीं भोगदायिन्यै नमः। ॐ श्रीं सुधौतकनकप्रख्यायै नमः। ॐ श्रीं

सुवर्णकमलासनायै नमः। ॐ श्रीं हिरण्यगर्भायै नमः। ॐ श्रीं सुश्रोण्यै नमः। ॐ श्रीं हारिण्यै नमः। ॐ श्रीं रमण्यै नमः। ॐ श्रीं रमायै नमः।390।

ॐ श्रीं चन्द्रायै नमः। ॐ श्रीं हिरणमय्यै नमः। ॐ श्रीं ज्सोत्स्नायै नमः। ॐ श्रीं रम्यायै नमः। ॐ श्रीं शोभायै नमः। ॐ श्रीं शुभावहायै नमः। ॐ श्रीं त्रैलोक्यमण्डनायै नमः। ॐ श्रीं नार्यै नमः। ॐ श्रीं नरेश्वरार्चितायै नमः। ॐ श्रीं त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।400।

ॐ श्रीं रामायै नमः। ॐ श्रीं महाविभववाहिन्यै नमः। ॐ श्रीं पद्मस्थायै नमः। ॐ श्रीं पद्मनिलयायै नमः। ॐ श्रीं पद्ममालाविभूषितायै नमः। ॐ श्रीं पद्मयुग्मधरायै नमः। ॐ श्रीं कान्तायै नमः। ॐ श्रीं दिव्याभरणभूषितायै नमः। ॐ श्रीं विचित्ररत्नमुकुटायै नमः। ॐ श्रीं विचित्राम्बरभूषणायै नमः।410।

ॐ श्रीं विचित्रमाल्यगन्धाढ्यायै नमः। ॐ श्रीं विचित्रायुधवाहनायै नमः। ॐ श्रीं महानारायण्यै नमः। ॐ श्रीं देव्यै नमः। ॐ श्रीं वैष्णव्यै नमः। ॐ श्रीं वीरवन्दितायै नमः। ॐ श्रीं कालसंकर्षिण्यै नमः। ॐ श्रीं घोरायै नमः। ॐ श्रीं तत्त्वसंकर्षिण्यै नमः। ॐ श्रीं कलायै नमः।420।

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

ॐ श्रीं जगत्सम्पूरण्यै नमः। ॐ श्रीं विश्वस्यै नमः। ॐ श्रीं महाविभवभूषणायै नमः। ॐ श्रीं वारुण्यै नमः। ॐ श्रीं वरदायै नमः। ॐ श्रीं व्याख्यायै नमः। ॐ श्रीं घण्टाकर्णविराजितायै नमः। ॐ श्रीं नृसिंह्यै नमः। ॐ श्रीं भैरव्यै नमः। ॐ श्रीं ब्राह्मयै नमः।430।

ॐ श्रीं भास्कर्यै नमः। ॐ श्रीं व्योमचारिण्यै नमः। ॐ श्रीं ऐन्द्र्यै नमः। ॐ श्रीं कामधेन्वे नमः। ॐ श्रीं सृष्ट्यै नमः। ॐ श्रीं कामयोन्यै नमः। ॐ श्रीं महाप्रभवे नमः। ॐ श्रीं दृष्टायै नमः। ॐ श्रीं काम्यायै नमः। ॐ श्रीं विश्वशक्त्यै नमः।440।

ॐ श्रीं बीजगत्यात्मदर्शनायै नमः। ॐ श्रीं गरुडारूढहृदयायै नमः। ॐ श्रीं चान्द्र्यै नमः। ॐ श्रीं श्रियै नमः। ॐ श्रीं मधुराननायै नमः। ॐ श्रीं महोग्ररूपायै नमः। ॐ श्रीं वाराह्यै नमः। ॐ श्रीं नारसिंह्यै नमः। ॐ श्रीं हतासुरायै नमः। ॐ श्रीं युगान्तहुतभुग्ज्वालायै नमः।450।

ॐ श्रीं करालायै नमः। ॐ श्रीं पिंगलायै नमः। ॐ श्रीं कलायै नमः। ॐ श्रीं त्रैलोक्यभूषणायै नमः। ॐ श्रीं भीमायै नमः। ॐ श्रीं श्यामायै नमः। ॐ श्रीं त्रैलोक्यमोहिन्यै नमः। ॐ श्रीं महोत्कटायै नमः। ॐ श्रीं महारक्तायै नमः। ॐ श्रीं महाचण्डायै नमः।460।

ॐ श्रीं महासनायै नमः। ॐ श्रीं शंखिन्यै नमः। ॐ श्रीं लेखिन्यै नमः। ॐ श्रीं स्वस्थालिखितायै नमः। ॐ श्रीं खेचरेश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं भद्रकाल्यै नमः। ॐ श्रीं एकवीरायै नमः। ॐ श्रीं कौमार्यै नमः। ॐ श्रीं भवमालिन्यै नमः। ॐ श्रीं कल्याण्यै नमः।470।

ॐ श्रीं कामधुग्ज्वालामुख्यै नमः। ॐ श्रीं उत्पलमालिकायै नमः। ॐ श्रीं बालिकायै नमः। ॐ श्रीं धनदायै नमः। ॐ श्रीं सूर्यायै नमः। ॐ श्रीं हृदयोत्पलमालिकायै नमः। ॐ श्रीं अजितायै नमः। ॐ श्रीं वर्षिण्यै नमः। ॐ श्रीं रीत्यै नमः। ॐ श्रीं भरूण्डायै नमः।480।

ॐ श्रीं गरुडासनायै नमः। ॐ श्रीं वैश्वानर्यै नमः। ॐ श्रीं महामायायै नमः। ॐ श्रीं महाकाल्यै नमः। ॐ श्रीं विभीषणायै नमः। ॐ श्रीं महामन्दारविभवायै नमः। ॐ श्रीं शिवानन्दायै नमः। ॐ श्रीं रतिप्रियायै नमः। ॐ श्रीं उद्रीत्यै नमः। ॐ श्रीं पद्ममालायै नमः।490।

ॐ श्रीं धर्मवेगायै नमः। ॐ श्रीं विभावन्यै नमः। ॐ श्रीं सत्क्रियायै नमः। ॐ श्रीं देवसेनायै नमः। ॐ श्रीं हिरण्यजताश्रयायै नमः। ॐ श्रीं सहसावर्तमानायै नमः। ॐ श्रीं

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

हस्तिनादप्रमोदिन्यै नमः। ॐ श्रीं हिरण्यपद्मवर्णायै नमः। ॐ श्रीं हरिभद्रायै नमः। ॐ श्रीं सुदुर्धरायै नमः।500।

ॐ श्रीं सूर्यायै नमः। ॐ श्रीं हिरण्यप्रकटसदृश्यै नमः। ॐ श्रीं हेममालिन्यै नमः। ॐ श्रीं पद्माननायै नमः। ॐ श्रीं नित्यपुष्टायै नमः। ॐ श्रीं देवमात्रे नमः। ॐ श्रीं अमृतोद्भवायै नमः। ॐ श्रीं महाधनायै नमः। ॐ श्रीं श्रृंगयै नमः। ॐ श्रीं कार्दम्यै नमः।510।

ॐ श्रीं कम्बुकन्धरायै नमः। ॐ श्रीं आदित्यवर्णायै नमः। ॐ श्रीं चन्द्राभायै नमः। ॐ श्रीं गंधद्वारायै नमः। ॐ श्रीं दुरासदायै नमः। ॐ श्रीं वरार्चितायै नमः। ॐ श्रीं वरारोहायै नमः। ॐ श्रीं वरेण्यायै नमः। ॐ श्रीं विष्णुवल्लभायै नमः। ॐ श्रीं कल्याण्यै नमः।520।

ॐ श्रीं वरदायै नमः। ॐ श्रीं वामायै नमः। ॐ श्रीं वामेश्यै नमः। ॐ श्रीं विंध्यवासिन्यै नमः। ॐ श्रीं योगनिद्रायै नमः। ॐ श्रीं योगरतायै नमः। ॐ श्रीं देवक्यै नमः। ॐ श्रीं कामरूपिण्यै नमः। ॐ श्रीं कंसविद्राविण्यै नमः। ॐ श्रीं दुर्गायै नमः।530।

ॐ श्रीं कौमार्यै नमः। ॐ श्रीं कौशिक्यै नमः। ॐ श्रीं क्षमायै नमः। ॐ श्रीं कात्यायन्यै नमः। ॐ श्रीं कालरात्र्यै नमः। ॐ

श्रीं निशितृप्तायै नमः। ॐ श्रीं सुदुर्जयायै नमः। ॐ श्रीं विरूपाक्ष्यै नमः। ॐ श्रीं विशालाक्ष्यै नमः। ॐ श्रीं भक्तानां परिरक्षिण्यै नमः।540।

ॐ श्रीं बहुरूपायै नमः। ॐ श्रीं स्वरूपायै नमः। ॐ श्रीं विरूपायै नमः। ॐ श्रीं रूपवर्जितायै नमः। ॐ श्रीं घण्टानिनादबहुलायै नमः। ॐ श्रीं जीमूतध्वनिनिःस्वनायै नमः। ॐ श्रीं महादेवेन्द्रमथिन्यै नमः। ॐ श्रीं भ्रुकुटीकुटिलाननायै नमः। ॐ श्रीं सत्योपयाचितायै नमः। ॐ श्रीं एकस्यै नमः।550।

ॐ श्रीं कौबेर्यै नमः। ॐ श्रीं ब्रह्मचारिण्यै नमः। ॐ श्रीं आर्यायै नमः। ॐ श्रीं यशोदायै नमः। ॐ श्रीं सुतदायै नमः। ॐ श्रीं धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः। ॐ श्रीं दारिद्र्यदुःखशमन्यै नमः। ॐ श्रीं घोरदुर्गर्तिनाशिन्यै नमः। ॐ श्रीं भक्तार्तिशमन्यै नमः। ॐ श्रीं भव्यायै नमः।560।

ॐ श्रीं भवभर्गापहारिण्यै नमः। ॐ श्रीं क्षीराब्धितनयायै नमः। ॐ श्रीं पद्मायै नमः। ॐ श्रीं कमलायै नमः। ॐ श्रीं धरणीधरायै नमः। ॐ श्रीं रुक्मिण्यै नमः। ॐ श्रीं रोहिण्यै नमः। ॐ श्रीं सीतायै नमः। ॐ श्रीं सत्यभामायै नमः। ॐ श्रीं यशस्विन्यै नमः।570।

ॐ श्रीं प्रज्ञाधारायै नमः। ॐ श्रीं अमितप्रज्ञायै नमः। ॐ श्रीं वेदमात्रे नमः। ॐ श्रीं यशोवत्यै नमः। ॐ श्रीं समाधये नमः। ॐ श्रीं भावनायै नमः। ॐ श्रीं मैत्र्यै नमः। ॐ श्रीं करुणायै नमः। ॐ श्रीं भक्तवत्सलायै नमः। ॐ श्रीं अन्तर्वेद्यै नमः।580।

ॐ श्रीं दक्षिणस्यै नमः। ॐ श्रीं ब्रह्मचर्यपरायै नमः। ॐ श्रीं गत्यै नमः। ॐ श्रीं दीक्षायै नमः। ॐ श्रीं वीक्षायै नमः। ॐ श्रीं परीक्षायै नमः। ॐ श्रीं समीक्षायै नमः। ॐ श्रीं वीरवत्सलायै नमः। ॐ श्रीं अम्बिकायै नमः। ॐ श्रीं सुरभ्यै नमः।590।

ॐ श्रीं सिद्धायै नमः। ॐ श्रीं सिद्धविद्याधरार्चितायै नमः। ॐ श्रीं सुदीक्षायै नमः। ॐ श्रीं लेलिहानायै नमः। ॐ श्रीं करालायै नमः। ॐ श्रीं विश्वपूरकायै नमः। ॐ श्रीं विश्वसंधारिण्यै नमः। ॐ श्रीं दीप्त्यै नमः। ॐ श्रीं तापन्यै नमः। ॐ श्रीं ताण्डवप्रियायै नमः।600।

ॐ श्रीं उद्भवायै नमः। ॐ श्रीं विरजायै नमः। ॐ श्रीं राज्ञ्यै नमः। ॐ श्रीं तापन्यै नमः। ॐ श्रीं बिन्दुमालिन्यै नमः। ॐ श्रीं क्षीरधारायै नमः। ॐ श्रीं सुप्रभावायै नमः। ॐ श्रीं लोकमात्रे नमः। ॐ श्रीं सुवर्चसायै नमः। ॐ श्रीं हव्यगर्भायै नमः।610।

ॐ श्रीं आज्यगर्भायै नमः। ॐ श्रीं जुह्वतो यज्ञसम्भवायै नमः। ॐ श्रीं आप्यायन्यै नमः। ॐ श्रीं पावन्यै नमः। ॐ श्रीं दहन्यै नमः। ॐ श्रीं दहनाश्रयायै नमः। ॐ श्रीं मातृकायै नमः। ॐ श्रीं माधव्यै नमः। ॐ श्रीं मुख्यायै नमः। ॐ श्रीं मोक्षलक्ष्म्यै नमः।620।

ॐ श्रीं महर्द्धिदायै नमः। ॐ श्रीं सर्वकामप्रदायै नमः। ॐ श्रीं भद्रायै नमः। ॐ श्रीं सुभद्रायै नमः। ॐ श्रीं सर्वमंगलायै नमः। ॐ श्रीं श्वेतायै नमः। ॐ श्रीं सुशुक्लवसनायै नमः। ॐ श्रीं शुक्लमाल्यानुलेपनायै नमः। ॐ श्रीं हंसाहीनकर्यै नमः। ॐ श्रीं हंस्यै नमः।630।

ॐ श्रीं हृद्यायै नमः। ॐ श्रीं हृत्कमलालयायै नमः। ॐ श्रीं सितातपत्रायै नमः। ॐ श्रीं सुश्रोण्यै नमः। ॐ श्रीं पद्मपत्रायतेक्षणायै नमः। ॐ श्रीं सावित्र्यै नमः। ॐ श्रीं सत्यसंकल्पायै नमः। ॐ श्रीं कामदायै नमः। ॐ श्रीं कामकामिन्यै नमः। ॐ श्रीं दर्शनीयायै नमः।640।

ॐ श्रीं दृशायै नमः। ॐ श्रीं दृश्यायै नमः। ॐ श्रीं स्पृश्यायै नमः। ॐ श्रीं सेव्यायै नमः। ॐ श्रीं वरांगनायै नमः। ॐ श्रीं भोगप्रियायै नमः। ॐ श्रीं भोगवत्यै नमः। ॐ श्रीं

भोगीन्द्रशयनासनायै नमः। ॐ श्रीं आर्द्रायै नमः। ॐ श्रीं पुष्करिण्यै नमः।650।

ॐ श्रीं पुण्यायै नमः। ॐ श्रीं पावन्यै नमः। ॐ श्रीं पापसूदन्यै नमः। ॐ श्रीं श्रीमत्यै नमः। ॐ श्रीं शुभाकारायै नमः। ॐ श्रीं परमैश्वर्यभूतिदायै नमः। ॐ श्रीं अचिन्त्यानन्त विभवायै नमः। ॐ श्रीं भवभावविभावन्यै नमः। ॐ श्रीं निश्रेण्यै नमः। ॐ श्रीं सर्वदेहस्थायै नमः। 660।

ॐ श्रीं सर्वभूत नमस्कृतायै नमः। ॐ श्रीं बलायै नमः। ॐ श्रीं बलाधिकायै नमः। ॐ श्रीं देव्यै गौतम्यै नमः। ॐ श्रीं गोकुलालयायै नमः। ॐ श्रीं तोषिण्यै नमः। ॐ श्रीं पूर्णचन्द्राभायै नमः। ॐ श्रीं एकानन्दायै नमः। ॐ श्रीं शताननायै नमः। ॐ श्रीं उद्याननगर द्वारहर्म्योपवन वासिन्यै नमः।670।

ॐ श्रीं कूष्माण्डायै नमः। ॐ श्रीं दारुणायै नमः। ॐ श्रीं चण्डायै नमः। ॐ श्रीं किरात्यै नमः। ॐ श्रीं नन्दनालयायै नमः। ॐ श्रीं कालायनायै नमः। ॐ श्रीं कालगम्यायै नमः। ॐ श्रीं भयदायै नमः। ॐ श्रीं भयनाशिन्यै नमः। ॐ श्रीं सौदामन्यै नमः।680।

ॐ श्रीं मेघरवायै नमः। ॐ श्रीं दैत्यदानवमर्दिन्यै नमः। ॐ श्रीं जगन्मात्रे नमः। ॐ श्रीं अभयकर्यै नमः। ॐ श्रीं भूतधत्र्यै नमः। ॐ श्रीं सुदुर्लभायै नमः। ॐ श्रीं काश्यप्यै नमः। ॐ श्रीं शुभदात्र्यै नमः। ॐ श्रीं वनमालायै नमः। ॐ श्रीं शुभायै नमः।690।

ॐ श्रीं वरायै नमः। ॐ श्रीं धन्यायै नमः। ॐ श्रीं धन्येश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं धन्यायै नमः। ॐ श्रीं रत्नदायै नमः। ॐ श्रीं वसुवर्धिन्यै नमः। ॐ श्रीं गान्धर्व्यै नमः। ॐ श्रीं रेवत्यै नमः। ॐ श्रीं गंगायै नमः। ॐ श्रीं शकुन्यै नमः।700।

ॐ श्रीं विमलाननायै नमः। ॐ श्रीं इडायै नमः। ॐ श्रीं शान्तिकर्यै नमः। ॐ श्रीं तामस्यै नमः। ॐ श्रीं कमलालयायै नमः। ॐ श्रीं आज्यपायै नमः। ॐ श्रीं वज्रकौमार्यै नमः। ॐ श्रीं सोमपायै नमः। ॐ श्रीं कुसुमाश्रयायै नमः। ॐ श्रीं जगत्प्रियायै नमः।710।

ॐ श्रीं सरथायै नमः। ॐ श्रीं दुर्जयायै नमः। ॐ श्रीं खगवाहनायै नमः। ॐ श्रीं मनोभवायै नमः। ॐ श्रीं कामचारायै नमः। ॐ श्रीं सिद्धचारणसेवितायै नमः। ॐ श्रीं व्योमलक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं तेजोलक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं सुजाज्वलायै नमः।720।

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

ॐ श्रीं रसलक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं जगद्योन्यै नमः। ॐ श्रीं गंधलक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं वनाश्रयायै नमः। ॐ श्रीं श्रवणायै नमः। ॐ श्रीं श्रावण्यै नमः। ॐ श्रीं नेत्र्यै नमः। ॐ श्रीं रसनाप्राणचारिण्यै नमः। ॐ श्रीं विरिंचिमात्रे नमः। ॐ श्रीं विभवायै नमः।730।

ॐ श्रीं वरवारिजवाहनायै नमः। ॐ श्रीं वीर्यायै नमः। ॐ श्रीं वीरेश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं वन्द्यायै नमः। ॐ श्रीं विशोकायै नमः। ॐ श्रीं वसुवर्धिन्यै नमः। ॐ श्रीं अनाहतायै नमः। ॐ श्रीं कुण्डलिन्यै नमः। ॐ श्रीं नलिन्यै नमः। ॐ श्रीं वनवासिन्यै नमः।740।

ॐ श्रीं गांधारिण्यै नमः। ॐ श्रीं इन्द्रनमितायै नमः। ॐ श्रीं सुरेन्द्रनमितायै नमः। ॐ श्रीं सत्यै नमः। ॐ श्रीं सर्वमंगल्यमांगल्यायै नमः। ॐ श्रीं सर्वकामसमृद्धिदायै नमः। ॐ श्रीं सर्वानन्दायै नमः। ॐ श्रीं महानन्दायै नमः। ॐ श्रीं सत्कीर्त्यै नमः। ॐ श्रीं सिद्धसेवितायै नमः।750।

ॐ श्रीं सिनीवाल्यै नमः। ॐ श्रीं कुह्वै नमः। ॐ श्रीं राकायै नमः। ॐ श्रीं अमायै नमः। ॐ श्रीं अनुमत्यै नमः। ॐ श्रीं द्युत्यै नमः। ॐ श्रीं अरुन्धत्यै नमः। ॐ श्रीं वसुमत्यै नमः। ॐ श्रीं भार्गव्यै नमः। ॐ श्रीं वास्तुदेवतायै नमः।760।

ॐ श्रीं मायूर्यै नमः। ॐ श्रीं वज्रवेताल्यै नमः। ॐ श्रीं वज्रहस्तायै नमः। ॐ श्रीं वराननायै नमः। ॐ श्रीं अनघायै नमः। ॐ श्रीं धरण्यै नमः। ॐ श्रीं धीरायै नमः। ॐ श्रीं धमन्यै नमः। ॐ श्रीं मणिभूषणायै नमः। ॐ श्रीं राजश्रियै नमः।770।

ॐ श्रीं रूपसहितायै नमः। ॐ श्रीं ब्रह्मश्रियै नमः। ॐ श्रीं ब्रह्मवन्दितायै नमः। ॐ श्रीं जयश्रियै नमः। ॐ श्रीं जयदायै नमः। ॐ श्रीं ज्ञेयायै नमः। ॐ श्रीं सर्गश्रियै नमः। ॐ श्रीं सतां स्वर्गत्यै नमः। ॐ श्रीं सुपुष्पायै नमः। ॐ श्रीं पुष्पनिलयायै नमः।780।

ॐ श्रीं फलश्रियै नमः। ॐ श्रीं निष्कलप्रियायै नमः। ॐ श्रीं धनुर्लक्ष्म्यै नमः। ॐ श्रीं अमिलितायै नमः। ॐ श्रीं परक्रोधनिवारिण्यै नमः। ॐ श्रीं कद्रवे नमः। ॐ श्रीं धनायुषे नमः। ॐ श्रीं कपिलायै नमः। ॐ श्रीं सुरसायै नमः। ॐ श्रीं सुरमोहिन्यै नमः।790।

ॐ श्रीं महाश्वेतायै नमः। ॐ श्रीं महानीलायै नमः। ॐ श्रीं महामूर्त्यै नमः। ॐ श्रीं विषापहायै नमः। ॐ श्रीं सुप्रभायै नमः। ॐ श्रीं ज्वालिन्यै नमः। ॐ श्रीं दीप्त्यै नमः। ॐ श्रीं

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

तृप्त्यै नमः। ॐ श्रीं व्याप्त्यै नमः। ॐ श्रीं प्रभाकर्यै नमः।800।

ॐ श्रीं तेजोवत्यै नमः। ॐ श्रीं पद्मबोधायै नमः। ॐ श्रीं मदलेखायै नमः। ॐ श्रीं अरुणावत्यै नमः। ॐ श्रीं रत्नायै नमः। ॐ श्रीं भूतायै नमः। ॐ श्रीं शतधाम्ने नमः। ॐ श्रीं शतापहायै नमः। ॐ श्रीं त्रिगुणायै नमः।810।

ॐ श्रीं घोषिण्यै नमः। ॐ श्रीं रक्ष्यायै नमः। ॐ श्रीं नर्दिन्यै नमः। ॐ श्रीं घोषवर्जितायै नमः। ॐ श्रीं साध्यायै नमः। ॐ श्रीं अदित्यै नमः। ॐ श्रीं दित्यै नमः। ॐ श्रीं देव्यै नमः। ॐ श्रीं मृगवाहायै नमः। ॐ श्रीं मृगांकगायै नमः।820।

ॐ श्रीं चित्रनीलोत्पलगतायै नमः। ॐ श्रीं वृषरत्नकराश्रयायै नमः। ॐ श्रीं हिरण्यरजतद्वन्द्वायै नमः। ॐ श्रीं शंखभद्रासनस्थितायै नमः। ॐ श्रीं गोमूत्र गोमय क्षीरदधि सर्पिर्जलाश्रयायै नमः। ॐ श्रीं मरीच्यै नमः। ॐ श्रीं चीरवसनायै नमः। ॐ श्रीं पूर्णायै नमः। ॐ श्रीं चन्द्रार्कविष्टरायै नमः। ॐ श्रीं सुसूक्ष्मायै नमः।830।

ॐ श्रीं निर्वृत्यै नमः। ॐ श्रीं स्थूलायै नमः। ॐ श्रीं निवृत्तारात्यै नमः। ॐ श्रीं मरीच्यै नमः। ॐ श्रीं ज्वालिने नमः। ॐ श्रीं धूम्रायै नमः। ॐ श्रीं हव्यवाहायै नमः। ॐ श्रीं

हिरण्यदायै नमः। ॐ श्रीं दायिन्यै नमः। ॐ श्रीं कालिन्यै नमः।840।

ॐ श्रीं सिद्ध्यै नमः। ॐ श्रीं शोषिण्यै नमः। ॐ श्रीं सम्प्रबोधिन्यै नमः। ॐ श्रीं भास्वरायै नमः। ॐ श्रीं संहत्यै नमः। ॐ श्रीं तीक्ष्णायै नमः। ॐ श्रीं प्रचण्डज्वलनायै नमः। ॐ श्रीं उज्जवलायै नमः। ॐ श्रीं सांगायै नमः। ॐ श्रीं प्रचण्डायै नमः।850।

ॐ श्रीं दीप्तायै नमः। ॐ श्रीं वैद्युत्यै नमः। ॐ श्रीं सुमहाद्युत्यै नमः। ॐ श्रीं कपिलायै नमः। ॐ श्रीं नीलरक्तायै नमः। ॐ श्रीं सुषुम्णायै नमः। ॐ श्रीं विस्फुलिंगिन्यै नमः। ॐ श्रीं अर्चिष्मत्यै नमः। ॐ श्रीं रिपुहरायै नमः। ॐ श्रीं दीर्घायै नमः।860।

ॐ श्रीं धूमावल्यै नमः। ॐ श्रीं जरायै नमः। ॐ श्रीं सम्पूर्णमण्डलायै नमः। ॐ श्रीं पूषायै नमः। ॐ श्रीं स्त्रंसिन्यै नमः। ॐ श्रीं सुमनोहरायै नमः। ॐ श्रीं जयायै नमः। ॐ श्रीं पुष्टिकर्यै नमः। ॐ श्रीं छायायै नमः। ॐ श्रीं मानसायै नमः।870।

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

ॐ श्रीं हृदयोज्जवलायै नमः। ॐ श्रीं सुवर्णकरण्यै नमः। ॐ श्रीं श्रेष्ठायै नमः। ॐ श्रीं रणे मृतसंजीवन्यै नमः। ॐ श्रीं विशल्यकरण्यै नमः। ॐ श्रीं शुभ्रायै नमः। ॐ श्रीं संधिन्यै नमः। ॐ श्रीं परमौषधये नमः। ॐ श्रीं ब्रह्मिष्ठायै नमः। ॐ श्रीं ब्रह्मसहितायै नमः।880।

ॐ श्रीं ऐन्दव्यै नमः। ॐ श्रीं रत्नसम्भवायै नमः। ॐ श्रीं विद्युत्प्रभायै नमः। ॐ श्रीं बिन्दुमत्यै नमः। ॐ श्रीं त्रिस्वभावागुणाम्बिकायै नमः। ॐ श्रीं नित्योदितायै नमः। ॐ श्रीं नित्यहृष्टायै नमः। ॐ श्रीं नित्यकामकरीषिण्यै नमः। ॐ श्रीं पद्मांकायै नमः। ॐ श्रीं वज्रचिह्नायै नमः।890।

ॐ श्रीं वक्रदण्डविभासिन्यै नमः। ॐ श्रीं विदेहपूजितायै नमः। ॐ श्रीं कन्यायै नमः। ॐ श्रीं मायायै नमः। ॐ श्रीं विजयवाहिन्यै नमः। ॐ श्रीं मानिन्यै नमः। ॐ श्रीं मंगलायै नमः। ॐ श्रीं मान्यायै नमः। ॐ श्रीं मानिन्यै नमः। ॐ श्रीं मानदायिन्यै नमः।900।

ॐ श्रीं विश्वेश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं गणवत्यै नमः। ॐ श्रीं मण्डलायै नमः। ॐ श्रीं मण्डलेश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं हरिप्रियायै नमः। ॐ श्रीं भौमसुतायै नमः। ॐ श्रीं मनोज्ञयायै नमः। ॐ

श्रीं मतिदायिन्यै नमः। ॐ श्रीं प्रत्यंगिरायै नमः। ॐ श्रीं सोमगुप्तायै नमः।910।

ॐ श्रीं मनोऽभिज्ञायै नमः। ॐ श्रीं वदन्मत्यै नमः। ॐ श्रीं यशोधरायै नमः। ॐ श्रीं रत्नमालायै नमः। ॐ श्रीं कृष्णायै नमः। ॐ श्रीं त्रैलोक्यबन्धन्यै नमः। ॐ श्रीं अमृतायै नमः। ॐ श्रीं धारिण्यै नमः। ॐ श्रीं हर्षायै नमः। ॐ श्रीं विनतायै नमः।920।

ॐ श्रीं वल्लक्यै नमः। ॐ श्रीं शच्यै नमः। ॐ श्रीं संकल्पायै नमः। ॐ श्रीं भामिन्यै नमः। ॐ श्रीं मिश्रायै नमः। ॐ श्रीं कादम्बर्यै नमः। ॐ श्रीं अमृतायै नमः। ॐ श्रीं प्रभायै नमः। ॐ श्रीं अगतायै नमः। ॐ श्रीं निर्गतायै नमः।930।

ॐ श्रीं वज्रायै नमः। ॐ श्रीं सुहितायै नमः। ॐ श्रीं सहितायै नमः। ॐ श्रीं अक्षतायै नमः। ॐ श्रीं सर्वार्थसाधनकर्यै नमः। ॐ श्रीं धातुर्धारणिकायै नमः। ॐ श्रीं अमलायै नमः। ॐ श्रीं करुणाधारसम्भूतायै नमः। ॐ श्रीं कमलाक्ष्यै नमः। ॐ श्रीं शशिप्रियायै नमः।940।

ॐ श्रीं सौम्यरूपायै नमः। ॐ श्रीं महादीप्तायै नमः। ॐ श्रीं महाज्वालायै नमः। ॐ श्रीं विकाशिन्यै नमः। ॐ श्रीं मालायै

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

नमः। ॐ श्रीं कांचनमालायै नमः। ॐ श्रीं सद्वज्रायै नमः। ॐ श्रीं कनकप्रभायै नमः। ॐ श्रीं प्रक्रियायै नमः। ॐ श्रीं परमायै नमः।950।

ॐ श्रीं योक्त्र्यै नमः। ॐ श्रीं क्षोभिकायै नमः। ॐ श्रीं सुखोदयायै नमः। ॐ श्रीं विजृम्भणायै नमः। ॐ श्रीं वज्राख्यायै नमः। ॐ श्रीं श्रृंखलायै नमः। ॐ श्रीं कमलेक्षणायै नमः। ॐ श्रीं जयंकर्यै नमः। ॐ श्रीं मधुमत्यै नमः। ॐ श्रीं हरितायै नमः।960।

ॐ श्रीं शशिन्यै नमः। ॐ श्रीं शिवायै नमः। ॐ श्रीं मूलप्रकृत्यै नमः। ॐ श्रीं ईशान्यै नमः। ॐ श्रीं योगमात्रे नमः। ॐ श्रीं मनोजवायै नमः। ॐ श्रीं धर्मोदयायै नमः। ॐ श्रीं भानुमत्यै नमः। ॐ श्रीं सर्वाभासायै नमः। ॐ श्रीं सुखावहायै नमः।970।

ॐ श्रीं धुरन्धरायै नमः। ॐ श्रीं बालायै नमः। ॐ श्रीं धर्मसेव्यायै नमः। ॐ श्रीं तथागतायै नमः। ॐ श्रीं सुकुमारायै नमः। ॐ श्रीं सौम्यमुख्यै नमः। ॐ श्रीं सौम्यसम्बोधनायै नमः। ॐ श्रीं उत्तमायै नमः। ॐ श्रीं सुमुख्यै नमः। ॐ श्रीं सर्वतोभद्रायै नमः।980।

ॐ श्रीं गुह्यशक्त्यै नमः। ॐ श्रीं गुहालयायै नमः। ॐ श्रीं हलायुधायै नमः। ॐ श्रीं एकवीरायै नमः। ॐ श्रीं सर्वशस्त्रसुधारिण्यै नमः। ॐ श्रीं व्योमशक्त्यै नमः। ॐ श्रीं महादेहायै नमः। ॐ श्रीं व्योमगायै नमः। ॐ श्रीं मधुमन्मय्यै नमः। ॐ श्रीं गंगायै नमः।990।

ॐ श्रीं वितस्तायै नमः। ॐ श्रीं यमुनायै नमः। ॐ श्रीं चन्द्रभागायै नमः। ॐ श्रीं सरस्वत्यै नमः। ॐ श्रीं तिलोत्तमायै नमः। ॐ श्रीं उर्वश्यै नमः। ॐ श्रीं रम्भायै नमः। ॐ श्रीं स्वामिन्यै नमः। ॐ श्रीं सुरसुन्दर्यै नमः। ॐ श्रीं बाणप्रहरणायै नमः।1000।

ॐ श्रीं बालायै नमः। ॐ श्रीं बिम्बोष्ठ्यै नमः। ॐ श्रीं चारुहासिन्यै नमः। ॐ श्रीं ककुद्मिन्यै नमः। ॐ श्रीं चारुपृष्ठायै नमः। ॐ श्रीं दृष्टादृष्टफलप्रदायै नमः। ॐ श्रीं काम्याचर्यै नमः। ॐ श्रीं काम्यायै नमः। ॐ श्रीं कामाचारविहारिण्यै नमः। ॐ श्रीं हिमशैलेन्द्रसंकाशायै नमः।1010।

ॐ श्रीं गजेन्द्रवरवाहनायै नमः। ॐ श्रीं अशेषसुखसौभाग्य सम्पदामुत्तमायै नमः। ॐ श्रीं सर्वोत्कृष्टायै नमः। ॐ श्रीं

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

सर्वमय्यै नमः। ॐ श्रीं सर्वस्यै नमः। ॐ श्रीं सर्वेश्वरप्रियायै नमः। ॐ श्रीं सर्वांगयोन्यै नमः। ॐ श्रीं अव्यक्तायै नमः। ॐ श्रीं सम्प्रधानेश्वरेश्वर्यै नमः। ॐ श्रीं विष्णुवक्षःस्थलगतायै नमः।1020।

फलश्रुति :- इति नाम्नां सहस्रं तु लक्ष्म्याः प्रोक्तं शुभावहम्। परावरेण भेदेन मुख्यगौणेन भागतः।।

यश्चैतत् कीर्तयेन्नित्यं श्रृणुयाद् वापि पद्मज। शुचिः समाहितो भूत्वा भक्तिश्रद्धासमन्वितः।

श्रीनिवासं समभ्यर्च्य पुष्पधूपानुलेपनैः। भोगैश्च मधुपर्काद्यैर्यथाशक्ति जगद्गुरुम्।।

तत्पार्श्वस्थां श्रियं देवीं सम्पूज्य श्रीधरप्रियाम्। ततो नामसहस्रेण तोषयेत् परमेश्वरीम्।।

नामरत्नावलीस्तोत्रमिदं यः सततं पटेत्। प्रसादाभिमुखीलक्ष्मीः सर्वं तस्मै प्रयच्छति।।

यस्या लक्ष्म्याश्च सम्भूताः शक्तयो विश्वगाः सदा। कारणत्वेन तिष्ठन्ति जगत्यस्मिंचराचरे।।

तस्मात् प्रीता जगन्माता श्रीर्यस्याच्युतवल्लभा। सुप्रीताः शक्तयस्तस्य सिद्धिमिष्टां दिशन्ति हि।।

एक एव जगत्स्वामी शक्तिमानच्युतः प्रभुः। तदंशशक्तिमन्तोऽन्ये ब्रह्मेशानादयो यथा।।

तथैवैका परा शक्तिः श्रीस्तस्य करुणाश्रया। ज्ञानादिषाड्गुण्यमयी या प्रोक्ता प्रकृतिः परा।।

एकैव शक्तिः श्रीस्तस्या द्वितीयात्मनि वर्तते। परा परेशी सर्वेशी सर्वाकारा सनातनी।।

अनन्तनामधेया च शक्तिचक्रस्य नायिका। जगच्चराचरमिदं सर्वं व्याप्य व्यवस्थिता।।

तस्मादेकैव परमा श्रीर्ज्ञेया विश्वरूपिणी। सौम्या सौम्येन रूपेण संस्थिता नटजीववत्।।

यो यो जगति पुम्भावः स विष्णुरिति निश्चयः। या या तु नारीभावस्था तत्र लक्ष्मीर्व्यवस्थिता।।

प्रकृतेः पुरुषाच्चान्यस्तृतीयो नैव विद्यते। अतः किं बहुनोक्तेन नरनारीमयो हरिः।।

अनेकभेदभिन्नस्तु क्रियते परमेश्वरः। महाविभूतिं दयितां ये स्तुवन्त्यच्युतप्रियाम्।।

ते प्राप्नुवन्ति परमां लक्ष्मीं संशुद्धचेतसः। पद्मयोनिरिदं प्राप्य पठन् स्तोत्रमिदं क्रमात्।।

दिव्यमष्टगुणैश्वर्यं तत्प्रसादाच्च लब्धवान्। सकामानां च फलदामकामनानां च मोक्षदाम्।।

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com

पुस्तकाख्यां भयत्रात्रीं सितवस्त्रां त्रिलोचनाम्। महापद्मनिषण्णां तां लक्ष्मीमजरतां नुमः।।

करयुगलगृहीतं पूर्णकुम्भं दधाना क्वचिदमलगतस्था शंखपद्माक्षपाणिः। क्वचिदपि दयितांगे चामरव्यग्रहस्ता क्वचिदपि सृणिपाशं बिभ्रती हेमकान्तिः।।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi

- Shri Baglamukhi Divya Sadhana

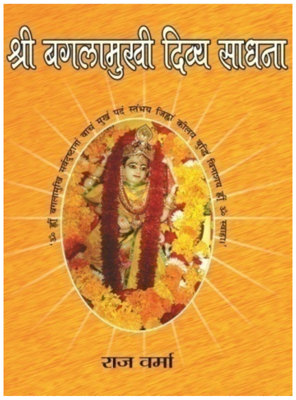

{Shri Raj Verma ji
Mob +91-9897507933,+91-7500292413
Email - mahakalshakti@gmail.com